CENTRAL UNIVERSITY OF ODISHA, KORAPUT

OFFICE OF THE PUBLIC RELATIONS

PRESS RELEASE DATE: 28.01.2025

ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने दृश्य सामग्री सत्यापन पर कार्यशाला आयोजित की

ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने 28 जनवरी, 2025 को अपने सुनाबेड़ा परिसर में दृश्य सामग्री सत्यापन पर कार्यशाला आयोजित की। इस एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग और ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना ब्यूरो द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इस अवसर पर अधिष्ठाता, छात्र कल्याण (डीएसडब्ल्यू), डॉ. रामेंद्र कुमार पाढ़ी ने कार्यशाला के लिए छात्रों और संकाय सदस्यों को बधाई दी और छात्रों को सुझाव दिया कि वे दृश्य सामग्री को किसी के साथ साझा करने से पहले उसके सत्यापन के लिए बुनियादी तकनीक और उपकरण का इस्तेमाल करना सीखें।

प्रोफेसर मानस प्रतिम गोस्वामी जो, पत्रकारिता एवं जनसंचार के प्रोफेसर, नॉर्थ ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी, शिलांग और गूगल न्यूज इनिशिएटिव, इंडिया ट्रेनिंग नेटवर्क ट्रेनर हैं। वे संसाधन व्यक्ति के रूप में इस कार्यशाला का संचालन किया। उन्होंने छात्रों को दृश्य सामग्री सत्यापन के लिए विभिन्न उपकरणों के उपयोग पर व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया। कार्यशाला पर अपने विचार साझा करते हुए उन्होंने बताया कि पाठ, चित्र और दृश्यों को कैसे सत्यापित किया जा सकता है। डिजिटल युग में, प्रो. गोस्वामी ने छात्रों और प्रतिभागियों को गलत सूचना, दुष्प्रचार और दुर्भावनापूर्ण सूचना के हानिकारक प्रभाव के बारे में आगाह किया। प्रो. गोस्वामी ने कहा कि सोशल मीडिया के आगमन और हमारे जीवन में इसके बढ़ते प्रभाव के साथ, किसी भी जानकारी को फॉरवर्ड या शेयर करने से पहले उसकी जांच करना आवश्यक हो गया है। इस अवसर पर ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. रामेंद्र पाढ़ी मुख्य अतिथि थे। उन्होंने सोशल मीडिया की वर्तमान दुनिया में सही जानकारी की आवश्यकता पर बल दिया। पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. निखिल कुमार गौड़ा ने स्वागत भाषण दिया और कार्यशाला के उद्देश्य की जानकारी दी। डॉ. गौड़ा ने सामग्री के सत्यापन की आवश्यकता और मीडियाकर्मियों और पत्रकारों के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण पर अपना अनुभव साझा किया। ओड़िशा ककेंद्रीय विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ. अँजेनेलयु थोटापल्ली ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा। इस अवसर पर उपस्थित अन्य गणमान्य लोगों में डॉ. गुरजीत सिंह वालिया, डॉ. प्रदोष कुमार रथ, जनसंपर्क अधिकारी डॉ. फगुनाथ भोई, श्री सुमित कुमार बेहरा, डॉ. सोनी परही, डॉ. तलत जहां बेगम सहित अन्य शामिल थे। कार्यशाला में 100 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया, जिन्हें डिजिटल सामग्री सत्यापन के विभिन्न पहलुओं तथा सूचना की प्रामाणिकता की जांच के लिए सॉफ्टवेयर के अनुप्रयोग पर व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया।

डॉ. फगुनाथ भोई, जनसंपर्क अधिकारी